मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय - संस्कृत

(2017-2018)

सेमेस्टर प्रणाली

Course No.	Course Code	Title of the Course	L-T-P	No. of Credits	Max. Marks		Total Marks
					Uni Exm	Int.Ass.	
SEM I							
01	M1 SAN 01 CT01	वैदिक साहित्य	3-1-0	4	80	20	100
02	M1 SAN 02 CT02	सांख्य दर्शन	3-1-0	4	80	20	100
03	M1 SAN 03 CT03	वेदान्त दर्शन	3-1-0	4	80	20	100
04	M1 SAN 04 CT04	नाटक एवं नाट्यशास्त्र	3-1-0	4	80	20	100
05	M1 SAN 05 CT05	व्याकरण अनुवाद	3-1-0	4	80	20	100
06	M1 SAN 06 CT06	संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, संस्कृति एवं निबन्ध	3-1-0	4	80	20	100
SEM II							
01	M2 SAN 01 CT01	उपनिषद् साहित्य	3-1-0	4	80	20	100
02	M2 SAN 02 CT02	न्याय दर्शन	3-1-0	4	80	20	100
03	M2 SAN 03 CT03	काव्य एवं साहित्य शास्त्र	3-1-0	4	80	20	100
04	M2 SAN 04 CT04	साहित्यशास्त्र के आचार्य एवं सिद्धान्त	3-1-0	4	80	20	100
05	M2 SAN 05 CT05	भाषा विज्ञान, व्याकरण एवं अनुवाद	3-1-0	4	80	20	100
06	M2 SAN 06 CT06	आर्ष काव्य एवं स्मृति	3-1-0	4	80	20	100
07	M2 SAN 07 AU01	प्राचीन संस्कृत साहित्य	2-0-0	2	80	20	100
SEM III							
01	M3 SAN 01 CT01	गद्य, काव्य एवं पुराण	3-1-0	4	80	20	100
02	M3 SAN 02 CT02	संस्कृत कवि	3-1-0	4	80	20	100
03 A	M3 SAN 03 EP 03 (A)	काव्य शास्त्र	3-1-0	4	80	20	100
03 B	M3 SAN 03 EP 03 (B)	वेदान्त दर्शन	3-1-0	4	80	20	100
04 A	M3 SAN 04 EP 04 (A)	साहित्य शास्त्र	3-1-0	4	80	20	100
04 B	M3 SAN 04 EP 04 (B)	सांख्य दर्शन	3-1-0	4	80	20	100
05 A	M3 SAN 05 EP 05 (A)	संस्कृत नाटक	3-1-0	4	80	20	100
05 B	M3 SAN 05 EP 05 (B)	न्याय-वैशेषिक दर्शन	3-1-0	4	80	20	100
06 A	M3 SAN 06 EP 06 (A)	विशेष अध्ययन- कालिदास (खंडकाव्य एवं नाटक)	3-1-0	4	80	20	100
06 B	M3 SAN 06 EP 06 (B)	वेदान्त दर्शन के प्रमुख आचार्य	3-1-0	4	80	20	100
SEM IV							
01	M4 SAN 01 CT01	काव्य (गद्य, पद्य, और निबन्ध)	3-1-0	4	80	20	100
02	M4 SAN 02 CT02	चार्वाक, बौद्ध एवं जैन दर्शन	3-1-0	4	80	20	100
03 A	M4 SAN 03 EP 03 (A)	साहित्य -शास्त्र	3-1-0	4	80	20	100
03 B	M4 SAN 03 EP 03 (B)	मीमांसा दर्शन	3-1-0	4	80	20	100
04 A	M4 SAN 04 EP 04 (A)	नाटक एवं काव्य	3-1-0	4	80	20	100
04 B	M4 SAN 04 EP 04 (B)	योग दर्शन	3-1-0	4	80	20	100
05 A	M4 SAN 05 EP 05 (A)	नाट्यशास्त्र	3-1-0	4	80	20	100
05 B	M4 SAN 05 EP 05 (B)	न्याय वैशेषिक दर्शन	3-1-0	4	80	20	100
06 A	M4 SAN 06 EP 06 (A)	विशेष अध्ययन – कालिदास (महाकाव्य)	3-1-0	4	80	20	100
06 B	M4 SAN 06 EP 06 (B)	विशेष अध्ययन – शंकर	3-1-0	4	80	20	100
07	M4 SAN 07 AU02	प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं श्रीमद्भगवद्गीता	2-0-0	2	80	20	100

एम.ए. सेमेस्टर I (संस्कृत) 2017-2018

प्रश्न पत्र कूट संख्या M1 SAN 01 CT01

प्रश्न-पत्र - I वैदिक साहित्य

पाठ्यक्रम **80 अंक**

1. ऋग्वैदिक एवं अथर्ववेदीय सूक्त (कुछ चुने हुए सूक्त मात्र)
2. निरुक्त (प्रथम अध्याय मात्र)
3. वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास
4. संहिता पाठ से पद पाठ

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई - ऋग्वेद एवं अथर्ववेदीय संहिताओं के निम्नलिखित सूक्त- अग्नि (1/1) रुद्र (2/33), अथर्ववेदीय पृथ्वी (12/1), पुरुष (10/90), सवितृ (1/35)

द्वितीय इकाई - ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त- नासदीय (10/129), उषस् (1/48), वरुण (7/86), सोम (8/48), सुक्ल यजुर्वेदीय शिवसंकल्प (अ-34)(1-6)

तृतीय इकाई - निरूक्त (यास्क) - प्रथम अध्याय

चतुर्थ इकाई - वैदिक साहित्य का सामान्य इतिहास

पंचम इकाई - संहिता पाठ से पदपाठ

सहायक पुस्तके:-

1. ऋग्भाष्य संग्रह - डॉ. आर . चानना
2. द न्यू वैदिक सलेक्शन्स - एस.के. तैंलग एवं बी. बी. चौबे
3. वैदिक व्याकरण - ए. ए. मैक्डानल अनु. डॉ. सत्यव्रत शास्त्री
4. वैदिक व्याकरण भाग - 1,2 - डॉ. राम गोपाल
5. वैदिक साहित्य और संस्कृति - पं. बलदेव उपाध्याय
6. वैदिक साहित्य की रूपरेखा - एस. एन. पाण्डेय एवं आर. बी. जोशी
7. वैदिक देवशास्त्र - ए. ए. मेक्डालन - अनु. सूर्यकान्त
8. वैदिक साहित्य - रामगोविन्द त्रिवेदी
9. लेक्चर ऑन द ऋग्वेद - घाटे

एम.ए. सेमेस्टर I (संस्कृत) 2017-2018

प्रश्न पत्र कूट संख्या M1 SAN 01 CT02

प्रश्न-पत्र - II सांख्य दर्शन

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. सांख्यकारिका ईश्वरकृष्णकृत

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई	-	सांख्यकारिका की 1 से 16 कारिकाएँ
द्वितीय इकाई	-	सांख्यकारिका की 17 से 35 कारिकाएँ
तृतीय इकाई	-	सांख्यकारिका की 36 से 53 कारिकाएँ
चतुर्थ इकाई	-	सांख्यकारिका की 54 से 72 कारिकाएँ
पंचम इकाई	-	ईश्वरकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा सांख्यदर्शन का इतिहास सामान्य परिचय, प्रतिपाद्य एवं महत्व

सहायक पुस्तके:-

(1) सांख्यकारिका - ईश्वरकृष्ण

(2) सांख्यकारिका - व्या. डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र

(3) सांख्यकारिका - व्या. डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी

(4) सांख्यकारिका - व्या. गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर

(5) भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय

(6) भारतीय दर्शन - दत्ता एण्ड चटर्जी

(7) भारतीय दर्शन - डॉ. उमेश मिश्र

(8) भारतीय दर्शन - डॉ. पारसनाथ द्विवेदी

एम.ए. सेमेस्टर I (संस्कृत) 2017-2018

प्रश्न पत्र कूट संख्या M1 SAN 01 CT03

प्रश्न-पत्र - III वेदान्त दर्शन

पाठ्यक्रम **80 अंक**

(1) वेदान्तसार (सदानन्द)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ:-

प्रथम इकाई - "अखण्डं सच्चिदानन्द से सल्लक्ष्यमितिचोच्यते" तक।

द्वितीय इकाई - "अस्याज्ञानस्यावरणविक्षेपनामकं शक्तिद्वयम् से लेकर अध्यारोपः" तक।

तृतीय इकाई - "अपवादो नाम" से "स्वप्रभया तदपि भासयतीति इति"।

चतुर्थ इकाई - "एवं भूतस्वरूपचैतन्यसाक्षात्कारपर्यन्त" से अन्त तक।

पंचम इकाई - सदानन्द का व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा वेदान्त दर्शन का इतिहास तथा सामान्य परिचय एवं महत्व।

सहायक पुस्तके:-

(1) वेदान्तसार व्याख्या - डॉ. बद्रीनाथ शुक्ल

(2) वेदान्तसार व्याख्या - डॉ. सत्यनारायण श्रीवास्तव

(3) वेदान्तसार व्याख्या - डॉ. राममूर्ति शर्मा

(4) वेदान्तसार व्याख्या - डॉ. दयानन्द भार्गव

एम.ए. सेमेस्टर I (संस्कृत) 2017-2018

प्रश्न पत्र कूट संख्या M1 SAN 01 CT04

प्रश्न-पत्र - IV - नाटक एवं नाट्य शास्त्र

पाठ्यक्रम **80 अंक**

1. मृच्छकटिकम् - शूद्रक
2. नाट्यशास्त्रम् (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय) -भरतमुनि

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - मृच्छकटिकम् - प्रथम से तृतीय अंक तक ।

द्वितीय इकाई - मृच्छकटिकम् - चतुर्थ से सप्तम अंक तक।

तृतीय इकाई - मृच्छकटिकम् - अष्टम से दसम अंक तक।

चतुर्थ इकाई - नाट्यशास्त्र (अध्याय 1)

पंचम इकाई - नाट्यशास्त्र (अध्याय 2)

सहायक पुस्तक -

(1) नाट्यशास्त्र - सम्पा. एवं व्याख्या - श्री बाबूलाल शुक्ल काशी हिन्दू वि. वि. वाराणसी

(2) भरत और भारतीय नाट्यकला - डॉ. अयोध्याप्रसाद सिंह

(3) मृच्छकटिकम् - शूद्रक

(4) संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ. बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर I (संस्कृत) 2017-2018

प्रश्न पत्र कूट संख्या M1 SAN 01 CT05

प्रश्न-पत्र V - व्याकरण एवं अनुवाद

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. लघुसिद्धान्त कौमुदी (तद्धित प्रकरण - शैषिक पर्यन्त)
2. कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी का)
3. अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - इसके अन्तर्गत निम्नलिखित प्रत्ययों का अध्ययन आवश्यक है - तद्धित प्रत्यय, अपत्यार्थ तद्धित प्रत्यय, रक्ताऽऽद्यर्थक तद्धित प्रत्यय।

द्वितीय इकाई - चातुरार्थिक तद्धित प्रत्यय और शैषिक तद्धित प्रत्यय

तृतीय इकाई - प्रथमा विभक्ति से चतुर्थी पर्यन्त
चतुर्थ इकाई - पंचमी विभक्ति से सप्तमी पर्यन्त
पंचम इकाई - हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

सहायक पुस्तके:-

1. कारक प्रकरण - व्याख्या श्री धरानन्द शास्त्री
2. कारक प्रबोध - डॉ. शक्ति कुमार शर्मा
3. लघुसिद्धान्त कौमुदी - व्याख्या श्री महेश सिंह कुशवाहा
4. लघुसिद्धान्त कौमुदी - श्री धरानन्द शास्त्री
5. संस्कृत व्याकरण - अर्कनाथ चैधरी
6. प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी - कपिल देव द्विवेदी
7. वृहदनुवाद चन्द्रिका - चक्रधर नौटियाल हंस
8. सिद्धान्त कौमुदी - द्वितीय भाग, पं. बालकृष्ण व्यास

एम.ए. सेमेस्टर I (संस्कृत) 2017-2018

प्रश्न पत्र कूट संख्या M1 SAN 01 CT06

प्रश्न-पत्र VI - संस्कृत शास्त्रों का इतिहास, संस्कृति एवं निबन्ध

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास
2. भारतीय संस्कृति
3. निबन्ध

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - साहित्य, धर्म, दर्शन

द्वितीय इकाई - संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - व्याकरण, अर्थ, वार्ता

तृतीय इकाई - भारतीय संस्कृति - संस्कार, आश्रम, पुरुषार्थ, यज्ञ, प्राचीन ज्ञान प्रविधि, शिक्षा केन्द्र

चतुर्थ इकाई - भारतीय संस्कृति का विकास और विस्तार- वृहत्तर भारत (दक्षिण पूर्वी एशिया तथा अन्य देशों में भारतीय संस्कृति का विस्तार)

पंचम इकाई - निबन्ध - संस्कृत भाषा साहित्य भारतीय संस्कृति पर आधारित संस्कृत निबन्ध

सहायक पुस्तके:-

1. संस्कृत शास्त्रों का इतिहास - पं. बलदेव उपाध्य
2. धर्मशास्त्र का इतिहास - पी. वी. काणे
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास - डा. प्रीतिप्रभा गोयल
4. प्राचीन भारत की सामाजिक संस्कृति - प्रो. रामजी उपाध्याय
5. निबन्धशतकम् - डा. कपिल देव द्विवेदी

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2017-2018

प्रश्न पत्र कूट संख्या M2 SAN 01 CT01

प्रश्न-पत्र –I उपनिषद् साहित्य

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. वृहदारण्यकोपनिषद्-तृतीय अध्याय मात्र
2. ईशावास्योपनिषद्-सम्पूर्ण
3. उपनिषदों का प्रतिपाद्य-इसके अन्तर्गत उपनिषदों का सामान्य परिचय एवं प्रतिपाद्य विषय ।

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ -

प्रथम इकाई - वृहदारण्यकोनिषद् , तृतीय अध्याय के प्रथम चार ब्राह्मण

द्वितीय इकाई - वृहदारण्यकोनिषद् , तृतीय अध्याय के पाँचवे से नवम् ब्राह्मण पर्यन्त

तृतीय इकाई - ईशावास्योपनिषद् , प्रथम से दश मन्त्र

चतुर्थ इकाई - ईशावास्योपनिषद् ग्यारह से समाप्ति पर्यन्त

पंचम इकाई - उपनिषदों के प्रतिपाद्य का समान्य परिचय एवं महत्त्व

सहायक पुस्तके:-

(1) वृहदारण्यकोनिषद्-गीताप्रेस गोरखपुर।
(2) ईशावास्योपनिषद्-गीताप्रेस गोरखपुर।
(3) भारतीय दर्शन- उमेश मिश्र
(4) मीमांसा दर्शन- प्रथम व द्वितीय भाग-डॉ. राधाकृष्णन।
(5) भारतीय दर्शन- डॉ. एन. के. देवराज।

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2017-2018

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M2 SAN 01 CT02

प्रश्न-पत्र II - न्यायदर्शन

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

तर्कभाषा (केशवमिश्रकृत) प्रामाण्यवाद तक

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ:-

प्रथम इकाई - उपोद्घात से अयुतसिद्ध निरूपण तक ।

द्वितीय इकाई - समवायिकारण से प्रत्यक्ष विषयक बौद्धमत का निराकरण पर्यन्त

तृतीय इकाई - अनुमान प्रमाण - हेत्वाभास सहित

चतुर्थ इकाई - उपमान प्रमाण से अभाव प्रमाण खण्डन पर्यन्त ।

पंचम इकाई - प्रामाण्यवाद

सहायक पुस्तके:-

(1) तर्कभाषा -व्याख्या बद्रीनाथ शुक्ल

(2) तर्कभाषा व्याख्या - आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त ' शिरोमणि '

(3) न्याय प्रमाण परिक्रमा -डा अभेदानन्द

(4) भारतीय दर्शन - दत्ता एवं चटर्जी

(5) भारतीय दर्शन - प्रो. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा

(6) भारतीय दर्शन - डॉ. एन.के.देवराज

(7) भारतीय दर्शन - डॉ. उमेश मिश्र

(8) न्याय-वैशेषिक-दर्शन का इतिहास -धर्मेन्द्रनाथ शास्त्री

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2017-2018

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M2 SAN 01 CT03

प्रश्न-पत्र III - काव्य एवं साहित्य -शास्त्र

पाठ्यक्रम **80 अंक**

1. मेघदूतम्-कालिदास
2. साहित्यदर्पण-विश्वनाथ-(प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय परिच्छेद की 1-29 कारिकापर्यन्त)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ:-

प्रथम इकाई - मेघदूतम् (पूर्वमेघ)

द्वितीय इकाई - मेघदूतम् (उत्तरमेघ)

तृतीय इकाई - मेघदूतम् पर आधारित प्रश्न-पूर्वमेघ एवं उत्तरमेघ का सार, मेघ-मार्ग का वर्णन, यक्षिणी की विरह-अवस्था का चित्रण, प्रकृति-चित्रण, मेघदूत का काव्य सौन्दर्य/वैशिष्ट्य

चतुर्थ इकाई - साहित्यदर्पण (प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद)

पंचम इकाई - साहित्यदर्पण (तृतीय परिच्छेद 1-29 कारिका पर्यन्त)

संदर्भ ग्रन्थ:-

(1) मेघदूतम्- कालिदास
(2) साहित्यदर्पण - पी.वी. काणे
(3) साहित्यदर्पण (विमला टीका) -शालिग्राम शास्त्री
(4) महाकवि कालिदास - रमाशंकर तिवारी
(5) मेघदूत -एक अध्ययन -वासुदेवशरण अग्रवाल
(6) संस्कृत के संदेशकाव्य - रामकुमार आचार्य

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2017-2018
प्रश्न पत्र कूट संख्या - M2 SAN 01 CT04
प्रश्न-पत्र IV - साहित्यशास्त्र के आचार्य एवं सम्प्रदाय

पाठ्यक्रम - साहित्यशास्त्र (आचार्य एवं सम्प्रदाय) **80 अंक**

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ:-

प्रथम इकाई - रस-सम्प्रदाय ।

द्वितीय इकाई - अलंकार एवं रीति सम्प्रदाय ।
तृतीय इकाई - वक्रोक्ति सम्प्रदाय ।
चतुर्थ इकाई - औचित्य सम्प्रदाय ।
पंचम इकाई - ध्वनि-सम्प्रदाय

सहायक पुस्तके:-
(1) अलंकारशास्त्र का इतिहास - डॉ. कृष्ण कुमार
(2) भारतीय साहित्यशास्त्र - जी. टी. देशपाण्डे
(3) भारतीय साहित्यशास्त्र- भाग-1-2, पं. बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2017-2018

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M2 SAN 01 CT05

प्रश्न-पत्र V - भाषा विज्ञान, व्याकरण एवं अनुवाद

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. भाषा विज्ञान
2. लघु सिद्धान्त कौमुदी का समास प्रकरण
3. अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - भाषा विज्ञान इसके अन्तर्गत निम्नलिखित विषयों का अध्ययन आवश्यक है - भाषा विज्ञान का स्वरूप, विषय वस्तु या क्षेत्र, विभिन्न पद्धतियाँ ,भाषा की परिभाषा, भाषा की विशेषताएँ, भाषाओं का वर्गीकरण (आकृति मूलक एवं पारिवारिक आनुवांशिका)

द्वितीय इकाई - इसके अन्तर्गत अधोलिखित विषयों का अध्ययन आवश्यक है उच्चारण संस्थान, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनिनियम का स्वरूप, ग्रिम, ग्रासमान एवं बर्नर के ध्वनि नियम, आर्य भाषाओं के विकास का संक्षिप्त इतिहास (वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत, प्राकृत पाली संस्कृत, प्राकृत पाली तथा अपभ्रंश के विशेष, सन्दर्भ में वैदिक लौकिक संस्कृत में अन्तर, वैदिक, लौकिक और प्राकृत भाषा की विशेषताएँ ।

तृतीय इकाई - लघुसिद्धान्त कौमुदी के समास प्रकरण के अन्तर्गत केवल समास, अव्ययीभाव और तत्पुरूष समास

चतुर्थ इकाई - लघुसिद्धान्त कौमदी के समास प्रकरण के अन्तर्गत बहुव्रीहिसमास और द्वन्द्वसमास

पंचम इकाई - अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत में)

सहायक पुस्तके:-

(1) भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा
(2) भाषा विज्ञान -डॉ. कर्ण सिंह
(3) भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
(4) भाषा विज्ञान - मंगलदेव शास्त्री
(5) भाषा विज्ञानस्य रुपरेखा- पं. गिरिधर लाल शास्त्री
(6) संस्कृत व्याकरण - डॉ. प्रीतिप्रभा गोयल
(7) प्रौढ़ रचनानुवादकौमुदी - कपिल देव द्विवेदी

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2017-2018

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M2 SAN 01 CT06

प्रश्न-पत्र VI - आर्ष काव्य एवं स्मृति

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. रामायण (वाल्मीकि)- सामान्य परिचय
2. महाभारत - सामान्य परिचय
3. याज्ञवल्क्य स्मृति - आचाराध्याय

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - रामायण - रचनाकार, रचनाकाल, विषयवस्तु, क्रम, प्रमुख आख्यान परवर्ती साहित्य के लिए प्रेरणा स्त्रोत, तत्कालीन संस्कृति व समाज

द्वितीय इकाई - महाभारत - रचनाकार रचनाकाल विषयवस्तु क्रम, महाभारत - आख्यान परवर्ती साहित्य के लिए प्रेरणा स्त्रोत, तत्कालीन संस्कृति व समाज

तृतीय इकाई - रामायण व महाभारत की तुलना

चतुर्थ इकाई - याज्ञवल्क्य स्मृति आचाराध्याय प्रकरण 1-4

पञ्चम इकाई - याज्ञवल्क्य स्मृति आचाराध्याय प्रकरण 5-8

सहायक पुस्तके:-

(1) रामायण

(2) महाभारत

(3) संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिल देव द्विवेदी

(4) संस्कृत साहित्य का इतिहास (उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान-सम्बंधित खण्ड) - बलदेव उपाध्याय

(5) याज्ञवल्क्य स्मृति - थानेशचन्द्र उप्रैती

(7) याज्ञवल्क्य स्मृति आचाराध्याय - कमल नयन शर्मा

एम.ए. सेमेस्टर II (संस्कृत) 2017-2018

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M2 SAN 07 AU01

प्रश्न-पत्र VII - प्राचीन संस्कृत साहित्य

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. प्राचीन भारतीय संस्कृत साहित्य - वैदिक
2. प्राचीन भारतीय संस्कृत साहित्य - लौकिक
3. नीतिशतक

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - वैदिक साहित्य परिचय- संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्

द्वितीय इकाई - वेदांग का सामान्य परिचय

तृतीय इकाई - आर्षकाव्य - रामायण व महाभारत का सामान्य परिचय

चतुर्थ इकाई - लौकिक का सामान्य परिचय - कालिदास, भास, अश्वघोष

पञ्चम इकाई - मूलपाठ- नीतिशतक- विद्या, परोपकार

सहायक पुस्तके:-

(1) संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - कपिल देव द्विवेदी

(2) संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय

(3) नीतिशतक - डॉ. विश्वनाथ शर्मा

(4) संस्कृत साहित्य का इतिहास - प्रीतिप्रभा गोयल

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 CT01

प्रश्न-पत्र I - गद्य, काव्य एवं पुराण

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

शिवराजविजय (प्रथम विराम के प्रथम , द्वितीय निश्वास)

नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग)

पुराण का सामान्य -परिचय ।

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ:-

प्रथम इकाई - शिवराजविजय प्रथम तथा द्वितीय निश्वास

द्वितीय इकाई - शिवराजविजय तथा अम्बिकादत्त व्यास

तृतीय इकाई - नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग) श्लोक 1 से 145 तक

चतुर्थ इकाई - नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग) की विषयवस्तु तथा श्रीहर्ष का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

पंचम इकाई - पुराण का सामान्य परिचय

सन्दर्भ -ग्रन्थ -

(1) शिवराजविजय -अम्बिकादत्त व्यास

(2) नैषधीयचरितम् -श्रीहर्ष

(3) अम्बिकादत्त व्यास - एक अध्ययन - कृष्ण कुमार

(4) नैषधपरिशीलन - चण्डिकाप्रसाद शुक्ल

(5) संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय

(6) संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ. प्रीतिप्रभा गोयल

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 CT02

प्रश्न-पत्र II - संस्कृत कवि

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. अश्वघोष, कालिदास, माघ, भारवि, श्रीहर्ष, कल्हण, बिल्हण, भास, शूद्रक, हर्षवर्धन, दण्डी, सुबन्धु

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत, विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ:-

प्रथम इकाई - अश्वघोष एवं कालिदास

द्वितीय इकाई - माघ, भारवि, श्रीहर्ष

तृतीय इकाई - कल्हण एवं बिल्हण

चतुर्थ इकाई - भवभूति, शूद्रक एवं हर्षवर्धन

पंचम इकाई - दण्डी एवं सुबन्धु

सन्दर्भ -ग्रन्थ -

(1) संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ. विश्वनाथ शर्मा

(2) संस्कृत साहित्य का इतिहास - कपिल द्विवेदी

(3) संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ. प्रीतिप्रभा गोयल

(4) संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ. बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP03 (A)

प्रश्न-पत्र III - काव्य शास्त्र

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

काव्यप्रकाश (प्रथम से षष्ठ उल्लास पर्यन्त)

काव्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों का सामान्य -परिचय

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - काव्यप्रकाश 1-2 उल्लास

द्वितीय इकाई - काव्यप्रकाश 3-4 उल्लास

तृतीय इकाई - काव्यप्रकाश 5-6 उल्लास

चतुर्थ इकाई - काव्यप्रकाश पर आधारित प्रश्न

पंचम इकाई - काव्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदायों का परिचय

सन्दर्भ ग्रन्थ

(1) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट - वामनाचार्य झलकीकर

(2) भारतीय साहित्यशास्त्र - जी.टी. देशपाण्डे

(3) भारतीय साहित्यशास्त्र (भाग 1 -2) - पण्डित बलदेव उपाध्याय

(4) अलंकारशास्त्र का इतिहास - डॉ. कृष्णकुमार।

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कोड संख्या M3 SAN 01 EP03 (B)

प्रश्न-पत्र III - वेदान्त दर्शन

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य: प्रथम अध्याय, प्रथम पाद के 1-4 सूत्र (चतुःसूत्री) ।
2. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य: द्वितीय अध्याय, द्वितीय पाद 1-45 सूत्र

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ -

प्रथम इकाई - ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य, प्रथम अध्याय ,प्रथमपाद के 1-2 सूत्र

द्वितीय इकाई - ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य, प्रथम अध्याय ,प्रथमपाद के 3-4 सूत्र

तृतीय इकाई - ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय, द्वितीयपाद की 1-23 सूत्र

चतुर्थ इकाई - ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय, द्वितीयपाद की 24 - 45 सूत्र

पंचम इकाई - ब्रह्मसूत्रकार एवं भाष्यकार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व एवं महत्त्व तथा ब्रह्मसूत्र द्वितीय अध्याय द्वितीय पाद की विषयवस्तु।

सहायक पुस्तके:-

(1) ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य - व्या,स्वामी योगीन्द्रानन्द

(2) ब्रह्म शांकर भाष्य (चतुः सूत्री) - व्या. आचार्य विश्वेश्वर

(3) भारतीय दर्शन - सम्पा. डॉ. एन. के. देवराज

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP04 (A)

प्रश्न-पत्र IV- साहित्य शास्त्र

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

रसगंगाधर (प्रथम आनन) - आरम्भ से रसभेद निरूपण तक

ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई - रसगंगाधर (प्रथम आनन) के आरम्भ से काव्यभेद तक ।

द्वितीय इकाई - रसगंगाधर (प्रथम आनन) के 'रसस्वरूप' से लेकर रसभेद निरूपण तक

तृतीय इकाई - रसगंगाधर के कर्ता तथा विषयवस्तु आधारित प्रश्न।

चतुर्थ इकाई - ध्वन्यालोक पर (प्रथम उद्योत)

पंचम इकाई - ध्वन्यालोक पर आधारित प्रश्न

सहायक पुस्तकें

(1) रसगंगाधर - पंडित जगन्नाथ

(2) ध्वन्यालोक - आनंदवर्धन

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कूट संख्या M3 SAN 01 EP04 (B)

प्रश्न-पत्र IV - सांख्य दर्शन

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

सांख्यतत्त्वकौमुदी - वाचस्पति मिश्र

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ -

प्रथम इकाई - सांख्यतत्त्वकौमुदी (1 से 21 कारिका)

द्वितीय इकाई - सांख्यतत्त्वकौमुदी (22से 45 कारिका)

तृतीय इकाई - सांख्यतत्त्वकौमुदी (46से 72 कारिका)

चतुर्थ इकाई - त्रिविध दुःख, तापत्रय, गुणत्रय, व्यक्त, अव्यक्त एवं ज्ञ स्वरूप, प्रत्यक्षबाधक, दृष्ट /आनुश्रविक उपाय विवेचन।

पंचम इकाई - सांख्य दर्शन का सामान्य परिचय एवं प्रतिपाद्य। सांख्यतत्त्वकौमुदी परिचय एवं सार, सृष्टि प्रक्रिया (क्रम) प्रत्यय सर्ग (बौद्धिक सृष्टि), त्रिविध प्रमाण, प्रकृति-पुरुष, साम्य-वैषम्य, प्रकृति स्वरूप अथवा पुरुष स्वरूप निरूपण ।

सहायक पुस्तके:-

(1) सांख्यतत्त्वकौमुदी - वाचस्पति मिश्र

(2) भारतीय दर्शन - दत्ता एण्ड चटर्जी

(3) भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP05 (A)

प्रश्न-पत्र V- संस्कृत नाटक

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

उत्तररामचरितम् -भवभूति

कर्णभारम् -भास

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई - उत्तररामचरितम् नाटक के 1-3 अंक

द्वितीय इकाई - उत्तररामचरितम् नाटक के 4-7 अंक

तृतीय इकाई - उत्तररामचरितम् नाटक की विषयवस्तु पर आधारित प्रश्न, अंकों का सार, अंको का वैशिष्ट्य, उत्तररामचरितम् की विशेषता से सम्बन्धित प्रश्न ।

चतुर्थ इकाई - कर्णभार नाटक से श्लोक व्याख्या।

पंचम इकाई - कर्णभार नाटक के कर्ता तथा विषयवस्तु से सम्बन्धित प्रश्न।

सहायक पुस्तके

(1) उत्तररामचरितम् नाटक-भवभूति
(2) कर्णभारम्-भास
(3) महाकविभवभूति-गंगासागर राय
(4) भवभूति के नाटक-डॉ. ब्रजबल्लभ शर्मा
(5) संस्कृत नाट्यसाहित्य-

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP05 (B)

प्रश्न-पत्र V- न्याय वैशेषिक दर्शन

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली -विश्वनाथ (प्रत्यक्ष खण्ड दिग् पर्यन्त कारिका 46 तक)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ-

प्रथम इकाई - न्यायसिद्धान्तमुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 1 से 22 तक

द्वितीय इकाई - न्यायसिद्धान्तमुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड के पूर्वार्द्ध से प्रश्न

तृतीय इकाई - न्यायसिद्धान्तमुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 23 से 34 तक

चतुर्थ इकाई - न्यायसिद्धान्तमुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 35 से 46 तक

पंचम इकाई - न्याय वैशेषिक दर्शन का सामान्य परिचय तथा न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के उत्तरार्द्ध से प्रश्न

सहायक पुस्तके:-

(1) न्यायसिद्धान्त मुक्तावली - ज्वालाप्रसाद गौड

(2) न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) डॉ. धर्मेन्दनाथ शास्त्री

(3) भारतीय दर्शन न्याय-वैशेषिक - डॉ. धर्मेन्दनाथ शास्त्री

(4) न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) - मुसलगांवकर

(5) भारतीय न्याय शास्त्र - डॉ. ब्रह्ममित्र अवस्थी

(6) वैशेषिक दर्शन - डॉ. श्री नारायण मिश्र

(7) न्याय-वैशेषिक तथा अन्य भारतीय दर्शन (न्याय लीलावती के आलोक में) - डॉ. नरेन्द्र अवस्थी राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर ।

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP06 (A)

प्रश्न-पत्र VI- विशेष अध्ययन - कालिदास (खंडकाव्य एवं नाटक)

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

१- ऋतुसंहार एवं मेघदूत

२- अभिज्ञान-शाकुन्तलम्

३- मालविकाग्निमित्र

४- विक्रमोर्वशीयम्

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ-

प्रथम इकाई - ऋतुसंहार (बसन्तऋतु), मेघदूत (मेघमार्ग)

द्वितीय इकाई - अभिज्ञान शाकुन्तलम् -कथावस्तु, पात्र व रस विमर्श

तृतीय इकाई - मालविकाग्निमित्र -मूलपाठ (अंक 1-2) कथावस्तु, पात्र व रस विमर्श

चतुर्थ इकाई - विक्रमोर्वशीयम् - मूलपाठ (अंक 1-2) कथावस्तु, पात्र व रस विमर्श

पंचम इकाई - महाकवि कालिदास व्यक्तित्व व कृतित्व तथा भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रतिनिधि कवि के रूप में मूल्यांकन।

सहायक पुस्तके:-

(1) कालिदास ग्रन्थावली - पं. रेवा प्रसाद द्विवेदी

(2) कालिदास ग्रन्थावली - पं. सीताराम चतुर्वेदी

(3) संस्कृत साहित्य का इतिहास - पं. बलदेव उपाध्याय

(4) कालिदास की लालित्य योजना - पं. हजारी प्रसाद द्विवेदी

एम.ए. सेमेस्टर III (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्न पत्र कूट संख्या - M3 SAN 01 EP06 (B)

प्रश्न-पत्र VI- वेदान्त दर्शन के प्रमुख आचार्य

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1) वेदान्तदर्शन का परिचय
2) वेदान्त के प्रमुख आचार्य
3) भारतीय धर्म दर्शन परम्परा के विकास में वेदान्त के आचार्यों का योगदान

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ-

प्रथम इकाई - वेदान्तदर्शन का उद्भव एवं विकास

द्वितीय इकाई - शंकर एवं रामानुज - व्यक्तित्व-कृतित्व एवं प्रमुख सिद्धांत

तृतीय इकाई - मध्व एवं चैतन्य - व्यक्तित्व-कृतित्व एवं प्रमुख सिद्धांत

चतुर्थ इकाई - वल्लभ एवं निम्बार्क - व्यक्तित्व-कृतित्व एवं प्रमुख सिद्धांत

पंचम इकाई - भारतीय धर्म एवं दर्शन परम्परा में उपर्युक्त आचार्यों का योगदान एवं महत्व।

सहायक पुस्तके:-

(1) भारतीय दर्शन - राधाकृष्णन

(2) भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय

(3) भारतीय दर्शन - हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा

(4) श्री वैष्णव सिद्धांत संग्रह- अरैयर श्रीराम शर्मा

(5) धर्म और दर्शन - बलदेव उपाध्याय

(6) भागवत संप्रदाय - बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 CT01

प्रश्न-पत्र I . काव्य (गद्य, पद्य , और निबन्ध)

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

कादम्बरी (कथामुखम्)।

शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग)।

निबन्ध।

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम इकाइयां

प्रथम इकाई - कादम्बरी (कथामुख) से व्याख्या।

द्वितीय इकाई - कादम्बरी (कथामुख) की विषयवस्तु व कर्ता से सम्बन्धित प्रश्न।

तृतीय इकाई - शिशुपालवध के प्रथम सर्ग

चतुर्थ इकाई - शिशुपालवध के प्रथम-सर्ग पर आधारित प्रश्न, माघ का व्यक्तित्व, माघ की भाषा-शैली आदि ।

पंचम इकाई - निबन्ध

सहायक पुस्तकें:-

(1) कादम्बरी (कथामुखम्) - बाणभट्ट
(2) शिशुपालवधम् (प्रथमसर्ग)- महाकवि माघ
(3) कादम्बरी - एक सांस्कृतिक अनुशीलन - वासुदेवशरण अग्रवाल
(4) बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन - अमरनाथ पांडेय
(5) महाकवि माघ - डॉ. मनमोहन शर्मा

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 CT02

प्रश्न-पत्र II - चार्वाक,बौद्ध एवं जैन दर्शन

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. सर्वदर्शनसंग्रह - माधवाचार्य (चार्वाक, बौद्ध एवं जैनदर्शन मात्र)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम इकाइयां

प्रथम इकाई - चार्वाक दर्शन (सर्वदर्शनसंग्रह)

द्वितीय इकाई - बौद्ध दर्शन (सर्वदर्शनसंग्रह)

तृतीय इकाई - जैनदर्शन (सर्वदर्शनसंग्रह) 3 से 26 वीं कारिका पर्यन्त ।

चतुर्थ इकाई - जैनदर्शन (सर्वदर्शनसंग्रह) 27वीं कारिका से 62 कारिका पर्यन्त

पंचम इकाई - चार्वाक, बौद्ध एवं जैनदर्शन का परिचय, प्रतिपाद्य एवं महत्त्व

सहायक पुस्तके :-

(1) सर्वदर्शनसंग्रह - माघवाचार्य

(2) भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय

(3) भारतीय दर्शन - सर्वपल्ली राधाकृष्णन

(4) भारतीय दर्शन - दत्ता एण्ड चटर्जी

(5) जैन दर्शन - मोहनलाल मेहता

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP03 (A)

प्रश्न-पत्र III - साहित्य -शास्त्र - II

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट (सप्तम एवं अष्टम उल्लास)

वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम-उन्मेष)

साहित्यशास्त्र के प्रमुख आचार्यो का सामान्य-परिचय

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम इकाइयाँ

प्रथम इकाई - काव्यप्रकाश का सप्तम व अष्टम उल्लास।

द्वितीय इकाई - काव्यप्रकाश के सप्तम एवं अष्टम उल्लास पर आधारित प्रश्न।

तृतीय इकाई - वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम-उन्मेष)

चतुर्थ इकाई - वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम-उन्मेष) विषयवस्तु तथा वक्रोक्तिजीवितकार के व्यक्तित्व और कृतित्व।

पंचम इकाई - साहित्यशास्त्र के प्रमुख आचार्यों का सामान्य परिचय।

सहायक पुस्तके:-

(1) काव्यप्रकाश - आचार्य मम्मट

(2) वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम-उन्मेष) - आचार्य कुन्तक

(3) भारतीय साहित्य शास्त्र - जी. टी. देशपाण्डे

(4) भारतीय साहित्य शास्त्र - भाग 1 व 2 पण्डित बलदेव उपाध्याय

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP03 (B)

प्रश्न-पत्र III - मीमांसा दर्शन

पाठ्यक्रम **80 अंक**

अर्थसंग्रह - लौगाक्षिभास्कर

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई - विधि भाग
द्वितीय इकाई - मन्त्र भाग
तृतीय इकाई - नामधेय भाग
चतुर्थ इकाई - निषेध
पंचम इकाई - अर्थवाद और मीमांसा दर्शन का सामान्य परिचय एवं मुख्य प्रतिपाद्य विषय

सहायक पुस्तके

1. अर्थसंग्रह - लौगाक्षिभास्कर
2. मीमांसा दर्शन - वाचस्पति उपाध्याय
3. भारतीय दर्शन - डॉ. उमेश मिश्र

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP04 (A)

प्रश्न-पत्र IV- नाटक एवं काव्य

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1) वेणीसंहार

2) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)

3) संस्कृत के प्रमुख नाटकों का परिचयात्मक ज्ञान

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ:-

प्रथम इकाई - वेणीसंहार नाटक, व्याख्येय भाग।

द्वितीय इकाई - वेणीसंहार नाटक की विषय वस्तु नाटककार

तृतीय इकाई - रघुवंशम् (प्रथम-सर्ग)

चतुर्थ इकाई - रघुवंशम् की विषयवस्तु तथा कालिदास

पंचम इकाई - संस्कृत के प्रमुख नाटकों का परिचयात्मक ज्ञान

सहायक पुस्तके:-

(1) वेणीसंहारम् - भट्ट नारायण

(2) रघुवंशम् (प्रथम सर्ग) - महाकवि कालिदास

(3) संस्कृत साहित्य का इतिहास (लौकिक-खण्ड) - प्रीतिप्रभा गोयल

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP04 (B)

प्रश्न-पत्र IV - योग दर्शन

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

योगसूत्र - महर्षि पतंजलिकृत (भोजवृत्ति सहित) समाधिपाद, साधनपाद और विभूति पाद के 1 से 6 सूत्र पर्यन्त ।

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयॉ -

प्रथम इकाई	-	योगसूत्र - प्रथम समाधिपाद को 1 से 51 सूत्रपर्यन्त
द्वितीय इकाई	-	योगसूत्र - प्रथम समाधिपाद से सम्बन्धित प्रश्न
तृतीय इकाई	-	योगसूत्र - द्वितीय साधनपाद सूत्र 1 से 26 पर्यन्त
चतुर्थ इकाई	-	योगसूत्र - द्वितीय साधनपाद सूत्र 27 से तृतीय विभूतिपाद के 1-6 सूत्र पर्यन्त
पंचम इकाई	-	योग-दर्शन का सामान्य परिचय, प्रतिपाद्य, योगसूत्र, परिचय एवं प्रतिपाद्य, समाधिपाद/साधन पाद, विषयवस्तु सार, योग का लक्षण, जीवन मे महत्त्व एवं उपादेयता ।

सहायक पुस्तके:-

(1) योगसूत्र - पतंजलि (भोजवृत्ति सहित)

(2) पातंजलयोगप्रदीप - स्वामी ओमानन्द तीर्थ गीता प्रेस ,गोरखपुर

(3) भारतीय दर्शन - दत्ता एण्ड चटर्जी
(4) भारतीय दर्शन - बलदेव उपाध्याय
(5) भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र
(6) व्यासभाष्य - वेद व्यास

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP05 (A)

प्रश्न-पत्र V- नाट्यशास्त्र

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1) नाट्यशास्त्र ((षष्ठ अध्याय मात्र)

2) दशरूपकम् (प्रथम एवं तृतीय प्रकाश मात्र)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ

प्रथम इकाई - नाट्य-शास्त्र (षष्ठ अध्याय मात्र) के श्लोक 1 से 30 तक

द्वितीय इकाई - नाट्य-शास्त्र (षष्ठ अध्याय मात्र) के श्लोक 31 से अध्याय पर्यन्त

तृतीय इकाई - नाट्य-शास्त्र (षष्ठ अध्याय) पर आधारित प्रश्न

चतुर्थ इकाई - दशरूपकम् (प्रथम प्रकाश)

पंचम इकाई - दशरूपकम् (तृतीय प्रकाश)

सहायक पुस्तके:-

(1) नाट्यशास्त्र - भरतमुनि

(2) दशरूपकम् - धनंजय

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP05 (B)

प्रश्न-पत्र V - न्याय वैशेषिक दर्शन -II

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली - विश्वनाथ (प्रत्यक्ष खण्ड कारिका 47 से 65 तक)
2. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली - विश्वनाथ (अनुमान खण्ड कारिका 66 से 78 तक)

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई - न्यायसिद्धान्त मुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 47 से 65 तक व्याख्यांश।

द्वितीय इकाई - न्यायसिद्धान्त मुक्तावली: प्रत्यक्ष खण्ड की कारिका 47 से 65 तक विषय वस्तु आधारित प्रश्न।

तृतीय इकाई - न्यायसिद्धान्त मुक्तावली: अनुमान खण्ड की कारिका 66 से 78 तक व्याख्यांश।

चतुर्थ इकाई - अनुमान खण्ड पर आधारित प्रश्न।

पंचम इकाई - न्याय वैशेषिक दर्शन का सामान्य परिचय एवं प्रमुख सिद्धान्त।

सहायक पुस्तके:-

1. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली - ज्वालाप्रसाद गौड

2. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली (प्रत्यक्ष खण्ड) - डॉ. धर्मेन्दनाथ शास्त्री
3. भारतीय दर्शन न्याय-वैशेषिक - डॉ. धर्मेन्दनाथ शास्त्री
4. भारतीय न्याय शास्त्र - डॉ. ब्रह्ममित्र अवस्थी
5. वैशेषिक दर्शन - डॉ. श्री नारायण मिश्र
6. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली 'किरणावली' समारव्याख्योपेता व्याख्याकार - पं. श्रीकृष्ण वल्लभाचार्य चैखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी।
7. भारतीय दर्शन की रूपरेखा - प्रो. हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, (मोतीलाल बनारसीदास)
8. भारतीय दर्शन - डॉ. उमेश मिश्र

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP06 (A)

प्रश्न-पत्र VI - विशेष अध्ययन - कालिदास (महाकाव्य)

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. कालिदास के महाकाव्य - रघुवंशम्
2. कालिदास के महाकाव्य - कुमारसंभवम्

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई - रघुवंशम् (सर्ग 1, 2)
द्वितीय इकाई - रघुवंशम् (सर्ग 6, 13)
तृतीय इकाई - कुमारसंभवम् (सर्ग 1, 2, 3)
चतुर्थ इकाई - कुमारसंभवम् (सर्ग 4 - 5)
पंचम इकाई - संस्कृत महाकाव्य परम्परा में कालिदास का योगदान तथा कालिदास के महाकाव्यों की शास्त्रीय समीक्षा।

सहायक पुस्तके:-

1. कालिदास ग्रन्थावली - पं. रेवा प्रसाद द्विवेदी
2. कालिदास ग्रन्थावली – पं.सीताराम चतुर्वेदी
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास - पं. बलदेव उपाध्याय

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 01 EP06 (B)

प्रश्नपत्र VI - विशेष अध्ययन - शंकर

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. आचार्य शंकर व्यक्तित्व एवं कृतित्व
2. विवेक चूड़ामणि

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई	-	आचार्य शंकर व्यक्तित्व परिचय
द्वितीय इकाई	-	आचार्य शंकर की कृतियों का परिचय
		भारतीय दार्शनिक परम्परा को आचार्य शंकर का योगदान एवं महत्व
तृतीय इकाई	-	विवेक-चूड़ामणिश्लोक 1 - 103
चतुर्थ इकाई	-	विवेक-चूड़ामणिश्लोक 104- 193
पंचम इकाई	-	विवेक-चूड़ामणि श्लोक 194- 251

सहायक पुस्तके:-

1. विवेक चूड़ामणि - गीताप्रेस गोरखपुर
2. शंकराचार्य - उमा शंकर शर्मा
3. भारतीय दर्शन - राधाकृष्णन्
4. विवेक चूड़ामणि - स्वामी प्रखरप्रज्ञानन्द सरस्वती (चौखंबा संस्कृत संस्थान, वाराणसी)

एम.ए. सेमेस्टर IV (संस्कृत) 2018-2019

प्रश्नपत्र कूट संख्या M4 SAN 07 AU02

प्रश्नपत्र VII – प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं श्रीमद्भगवद्गीता

पाठ्यक्रम - **80 अंक**

1. प्राचीन भारतीय संस्कृति
2. श्रीमद्भगवद्गीता

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तीन खण्ड तथा पाँच इकाइयों में विभक्त किया गया है । विस्तृत विवरण निम्नलिखित है -

खण्ड-अ 20 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित अतिलघुत्तरात्मक कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे। जो सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-ब 40 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न अथवा व्याख्याएँ पूछी जाएँगी। इनमें से प्रत्येक इकाई से एक - कुल 05 प्रश्नों के उत्तर लगभग **250** शब्दों में समाधेय हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **8** अंक निर्धारित हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत माध्यम में देना अनिवार्य है।

खण्ड-स 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पांच निबंधात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से किन्ही दो का उत्तर लगभग **300** शब्दों में देना होगा। प्रत्येक के लिए **10** अंक निर्धारित है।

पाठ्यक्रम की इकाइयां -

प्रथम इकाई - प्राचीन भारतीय संस्कृति - वर्ण, आश्रम, पुरुषार्थ, ऋण

द्वितीय इकाई - प्राचीन भारतीय संस्कृति कि विशेषताऐं - संस्कार विवाह महायज्ञ

तृतीय इकाई - प्राचीन भारतीय संस्कृति कि विशेषताऐं - प्राचीन विद्या केंद्र तथा विद्यास्थान, भारतीय संस्कृति का विस्तार

चतुर्थ इकाई - श्रीमद् भगवद्गीता - द्वितीय अध्याय पूर्वार्ध

पंचम इकाई - श्रीमद् भगवद्गीता - द्वितीय अध्याय उत्तरार्द्ध

सहायक पुस्तके:-

1. प्राचीन भारत कि सामाजिक संस्कृति - प्रो. रामजी उपाध्याय
2. भारतीय संस्कृति
3. श्रीमद् भगवद्गीता - सं. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

4. श्रीमद् भगवद्गीता (2-3 अध्याय) - सं. प्रो. दयानंद भार्गव

Note: **Postgraduate programmes in Social Sciences& Humanities** enable students to develop expertise in their special areas of study and inculcate in them a keen interest in research. These courses are designed in such a way that students not only acquire the knowledge of the latest developments in their field but also try to contribute to further the developments. Postgraduate programmes are linked to the employment needs. organizations, thus forging a vital link between the University and Society.

1. Core Courses (Basic / Fundamental Courses) ARE 4 credits each.(CC for Semester I & II)
2. ELECTIVES(Advanced Courses) should be within 4 credits each (EC for Semester III & IV).
3. Each student for each paper will submit Assignment/ Project work/ Seminar Presentation which will be mandatory for Core Courses & Electives and shall be assign 1 credit each
4. ADD On / Foundation Courses: Each student will have to complete two add on Audit courses of 2 credit each in Second & fourth semesters as compulsory courses

a). Language &Communication Skills in English

b). Practical Ethics, Human Rights & Environmental Awareness

c). Personality Development& Well-Being

d). Community Work